



This PDF you are browsing now is a digitized copy of rare books and manuscripts from the Jnanayogi Dr. Shrikant Jichkar Knowledge Resource Center Library located in Kavikulaguru Kalidas Sanskrit University Ramtek, Maharashtra.

KKSU University (1997- Present) in Ramtek, Maharashtra is an institution dedicated to the advanced learning of Sanskrit.

The University Collection is offered freely to the Community of Scholars with the intent to promote Sanskrit Learning.

Website

<https://kksu.co.in/>

Digitization was executed by NMM

<https://www.namami.gov.in/>

Sincerely,

Prof. Shrinivasa Varkhedi
Hon'ble Vice-Chancellor

Dr. Deepak Kapade
Librarian

Digital Uploaded by eGangotri Digital Preservation Trust, New Delhi

<https://egangotri.wordpress.com/>

अथ हंउपाण्पट्टक प्रारंभः

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री सांबसदाशिवाय
 नमः ॥ विश्वेशमाधवं धुंतिं हंडपाणिं च भैर
 वं ॥ वंदे काशीगुहांगंगाभवांतीममि कर्ण
 कां ॥ १ ॥ स्कंद उवाच ॥ रत्नभद्रांगजोद्भूतपूर्ण ५५-
 सुतोतमः ॥ निर्विघ्नं कुरु मे यद्वचः काशीवा
 संशिवात्यये ॥ १ ॥ धन्यो यक्षः पूर्णभद्रो धन्या
 कांचनकुंडला ॥ ययोजैठरपीठे भूंदंडपाणे
 नमोस्तुते ॥ २ ॥ जययक्षपते धीरजयपिंग
 ललोचने ॥ जयपिंगजदाधारजयदंडमहा ॥ ३ ॥

युधः ॥ ३ ॥ अविमुक्तमहाक्षेत्रसूत्रधारो
 यतापस ॥ दंडनायक नीमस्य जय विश्वेश
 रप्रिय ॥ ४ ॥ सोम्यानां सोम्यवदनभीषणी
 नां भयानकः ॥ क्षेत्रपापधियां कालमहा
 कालमहाप्रियः ॥ ५ ॥ जयप्राणदयक्षेन्द्रका
 शीवासान्ममोक्षदा ॥ महारत्नस्फुरद्द्रुम
 त्वयचर्चितवियहाम् ॥ ६ ॥ महासंज्ञानिजन
 महोद्भूतिप्रदायक ॥ अभक्तानां वक्तृनां सं
 भ्रांतकृद्भूतिनाशकः ॥ ७ ॥ प्राप्तनेपथ्यवतु

रंजयज्ञाननिधिप्रदः॥ जयगौरीयदाजाले
मोक्षेश्वरः विचक्षणः॥ ८॥ यक्षराजाष्टकं पु
ण्यं मिदं पुण्यं नित्यं त्रिकालतः॥ जपामिमैत्रा
वरुणे वाराणस्यापि कारणं॥ ९॥ हंडपाण्यष्ट
कं कंधीमान् जपविधौ न जानुचित्॥ श्रद्धया प
रिभूयेत काशीवासफलं भवेत्॥ १०॥ प्रादुर्भा
वं हंडपाणोः शृण्वन्स्तोत्रमिदं गृणन्॥ विप
त्तिर्मन्यत प्राप्तः काशीजन्मानरे लभेत्॥ ११॥
इति श्रीस्कंदपुराणे काशीखंडे हंडपाण्यष्टकं॥ ॥ १२॥

[OrderDescription]
,CREATED=09.09.19 13:50
,TRANSFERRED=2019/09/09 at 13:51:46
,PAGES=4
,TYPE=STD
,NAME=S0001689
,Book Name=M-530-SHANDPANDYASHATKAM
,ORDER_TEXT=
,[PAGELIST]
,FILE1=000000001.TIF
,FILE2=000000002.TIF
,FILE3=000000003.TIF
,FILE4=000000004.TIF
,